Document No. (1)

321/

रसीद दस्तावेज वगैरह 6723

दफ्तर .... मुकाम ....

	दस्तावेज [illegible] तफसील, तारीख व कीमत या दरख्वास्त की तारीख या किस्म जो महर बन्द लिफाफा लिया गया हो जिसके बाबत फीस दाखिल हुई हो उसके ऊपर लिखी हुई इबारत	तादाद फीस (अगर हो तो) दाखिलशुदा	रजिस्ट्री के ओहदेदार के छोटे दस्तखत
	२	३	४
	[illegible] [illegible] [illegible]20	92 [illegible]	

तारीख २ [illegible] सितम्बर [illegible]

6/22

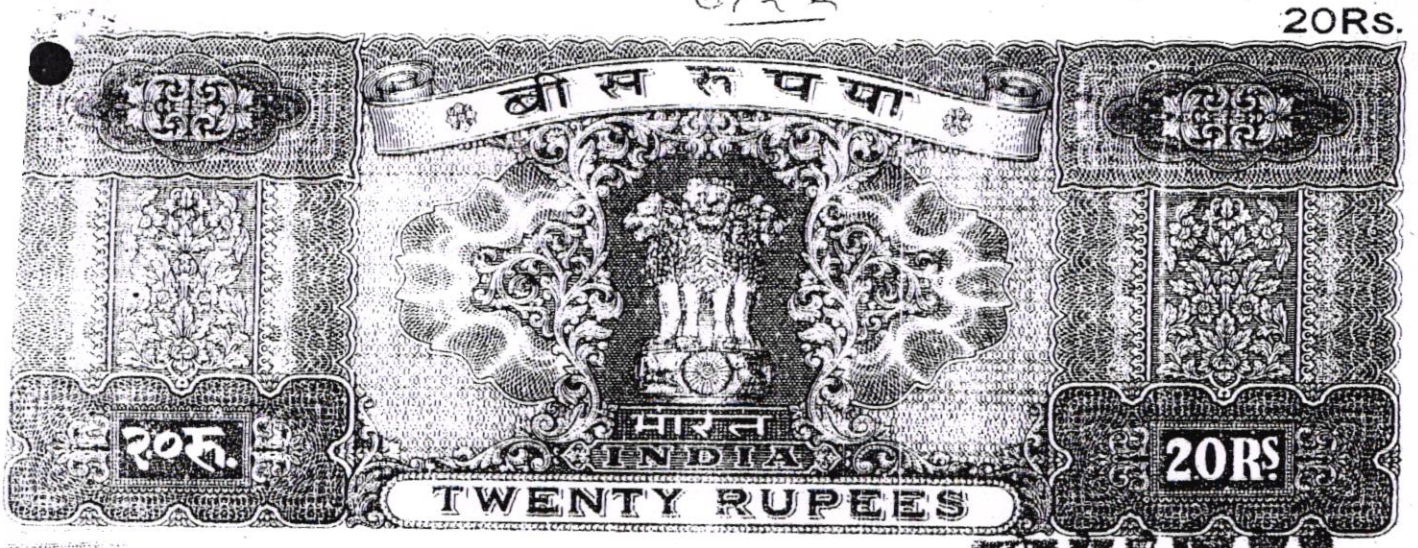

20Rs.

बीस रुपया

भारत

INDIA

TWENTY RUPEES

२०रु. 20RS.

CANCELLED

उपरोक्त लेख की नकल ... १ पृ० की गई।

S.P.B. प्रमुख लेखक

प्रधान कार्यालय

।। विक्रय - लेख ।।

अचल सम्पत्ति में के अपने सबे समस्त स्वत्व, हित तथा अधिकारों का यह विक्रय लेख आज मिति फागुन संवत १९८४ तदनुसार दिनांक 29-9-63 को कर देने वाले (१) श्रीमंत उषादेवी निवासी माणिकबाग पैलेस इन्दौर, (२) श्री एस० सी० मल्होत्रा निवासी माणिकबाग पैलेस इन्दौर, तथा (३) श्री हु० प० किबे एडवोकेट निवासी रेसकोर्स रोड़ इन्दौर, सब ट्रस्टीज प्रिन्सेस उषा ट्रस्ट इन्दौर द्वारा उनके मंत्री तथा आम मुख्त्यार श्री ह० स० तिवारी, निवासी मार्तण्ड चौक इन्दौर, जिनको कि इस लेख में संक्षेप में विक्रेता के नाम से सम्बोधित किया गया है, श्री रमेश चन्द्र पिता प्यारे लाल निवासी माणिकबाग इन्दौर जिनको कि इस लेख में संक्षेप में क्रेता के नाम से संबोधित किया गया है, के हित में निम्नानुसार कर देते हैं कि :-

चूंकि विक्रेताओं ने अपने भूमिहीन कर्मचारियों के हितार्थ माणिकबाग अनेक्स नामक सम्पत्ति में के दक्षिण पश्चिम भाग की खुली भूमि को आवश्यक अनुमति प्राप्त करके विकसित की है ;

और चूंकि क्रेता यह विक्रेताओं का एक भूमिहीन कर्मचारी है और उसने एक भूखण्ड की याचना की है जिसे विक्रेताओं ने मान्य की है ;

और चूंकि ~~ब~~ क्रेता ने इस विक्रय लेख के प्रतिफल की पूरी राशि विक्रेताओं के यहां जमा कर दी है ;

और चूंकि विक्रेताओं ने अपने प्रस्ताव दिनांक २-११-१९७२ के द्वारा विक्रेता क्रमांक १ को यह अधिकार दिया है कि वे सभी विक्रेताओं की ओर से यह विक्रय लेख सम्पादित कर पंजीकृत करवाने का अधिकार व विक्रेताओं के मंत्री को दे दें ;

और चूंकि तदनुसार विक्रेता क्र० १ ने ऐसा अधिकारपत्र श्री ह० स० तिवारी के हक्क में दिनांक ~~1-11-1972~~ 9-11-1972 को विधिवत सम्पादित कर दिया है ;

और चूंकि क्रेता ने इस विक्रय के लिये आवश्यक मुद्रापत्र और व्यय का प्रबन्ध कर लिया है और यह लेख उसके हित में संपादित करने की याचना की है ;

पृष्ट क्र० २ पर

हरिशंकर सरस्वतीप्रसाद तिवारी
आम मुख्त्यार व सेक्रेटरी
प्रिन्सेस ऊषा ट्रस्ट

हरिशंकर सरस्वतीप्रसाद तिवारी
आम मुख्त्यार व सेक्रेटरी
प्रिन्सेस ऊषा ट्रस्ट

No U 15 Rs.

अत: यह विक्रय लेख किया जाता है कि :-

(१) इस लेख द्वारा विक्रेतागण निम्नवर्णित अचल सम्पत्ति (भूखण्ड) में के अपने समस्त स्वत्व, हित तथा अधिकारों का अन्तरण पूर्ण प्रतिफल पाकर क्रेता के हित में करते हैं ।

(२) इस विक्रय के प्रतिफल की पूर्ण रकम रुपये ८२६ - ५० पैसे विक्रेता को क्रेता से दिनांक २२-३-७३ को प्राप्त हो गई है ।

(३) <u>सम्पत्ति का वर्णन</u>

माणिकबाग के रोड़ के पश्चिम बाजू स्थित माणिकबाग अनेक्स नामक सम्पत्ति के दक्षिण पश्चिम कोने में स्थित एवं सलग्न मानचित्र में लालस्याही से दर्शाया भूखण्ड क्रमांक २२ जिसकी पूर्व पश्चिम चौड़ाई १८ फीट ६ इँच एवं उत्तर दक्षिण लम्बाई ३८ फीट है उक्त मानचित्र इस विक्रय लेख का एक अंग है ।

चतु: सीमा

पूर्व को :- भूखण्ड क्र०२१ जो रायसिंग देवा को बेचना तय हुवा है ।

मने

पश्चिम को :- उषा ट्रस्ट की खुली जमीन ।

उत्तर को :- २५ फीट की सड़क ट्रस्ट की ।

दक्षिण को :- उषा ट्रस्ट की खुली जमीन ।

(४) उक्त वर्णित भूखण्ड का आधिपत्य विक्रेताओं ने क्रेता को मौके पर जाकर दे दिया है और क्रेता ~~कन~~ ब ने उसका मिलान उक्त मानचित्र से कर लिया है ।

(५) उक्त भूखण्ड पर सभी संबंधित विभाग में अपना नाम अंकित करवा लेने का भार क्रेता का ही है और रहेगा ।

पृष्ट क्रमांक ३ पर

MY

No 0 ... 15 Rs.

अत: यह विक्रय लेख किया जाता है कि :-

(१) इस लेख द्वारा विक्रेतागण निम्नवर्णित [illegible] सम्पत्ति (भूखण्ड) में के अपने समस्त स्वत्व, हित तथा अधिकारों का अन्तरण पूर्ण प्रतिफल पाकर क्रेता के हित में करते हैं ।

(२) इस विक्रय के प्रतिफल की पूर्ण रकम रुपये ८२६ - ५० पैसे विक्रेता को क्रेता से दिनांक २२-३-७३ को प्राप्त हो गई है ।

(३) सम्पत्ति का वर्णन

माणिकबाग के रोड़ के पश्चिम बाजू स्थित माणिकबाग अनेक्स नामक सम्पत्ति के दक्षिण पश्चिम कौने में स्थित एवं सलग्न मानचित्र में लालस्याही से दर्शाया भूखण्ड क्रमांक २२ जिसकी पूर्व पश्चिम चौड़ाई १८ फीट ६ इँच एवं उत्तर दक्षिण लम्बाई ३८ फीट है उक्त मानचित्र इस विक्रय लेख का एक अंग है ।

चतु: सीमा

पूर्व को :- भूखण्ड क्र०२१ जो राम सिंग देवा को बेचना तय हुवा है ।

मने

पश्चिम को :- उषा ट्रस्ट की खुली जमीन ।

उत्तर को :- २५ फीट की सड़क ट्रस्ट की ।

दक्षिण को :- उषा ट्रस्ट की खुली जमीन ।

(४) उक्त वर्णित भूखण्ड का आधिपत्य विक्रेताओं ने क्रेता को मौके पर जाकर दे दिया है और क्रेता ~~कन~~ ने उसका मिलान उक्त मानचित्र से कर लिया है ।

(५) उक्त भूखण्ड पर सभी संबंधित विभाग में अपना नाम अंकित करवा लेने का भार क्रेता का ही है और रहेगा ।

पृष्ट क्रमांक ३ पर

[illegible]

दस्तावेज क्रमांक 1अ/6122/73 दिनांक 21/09/1973

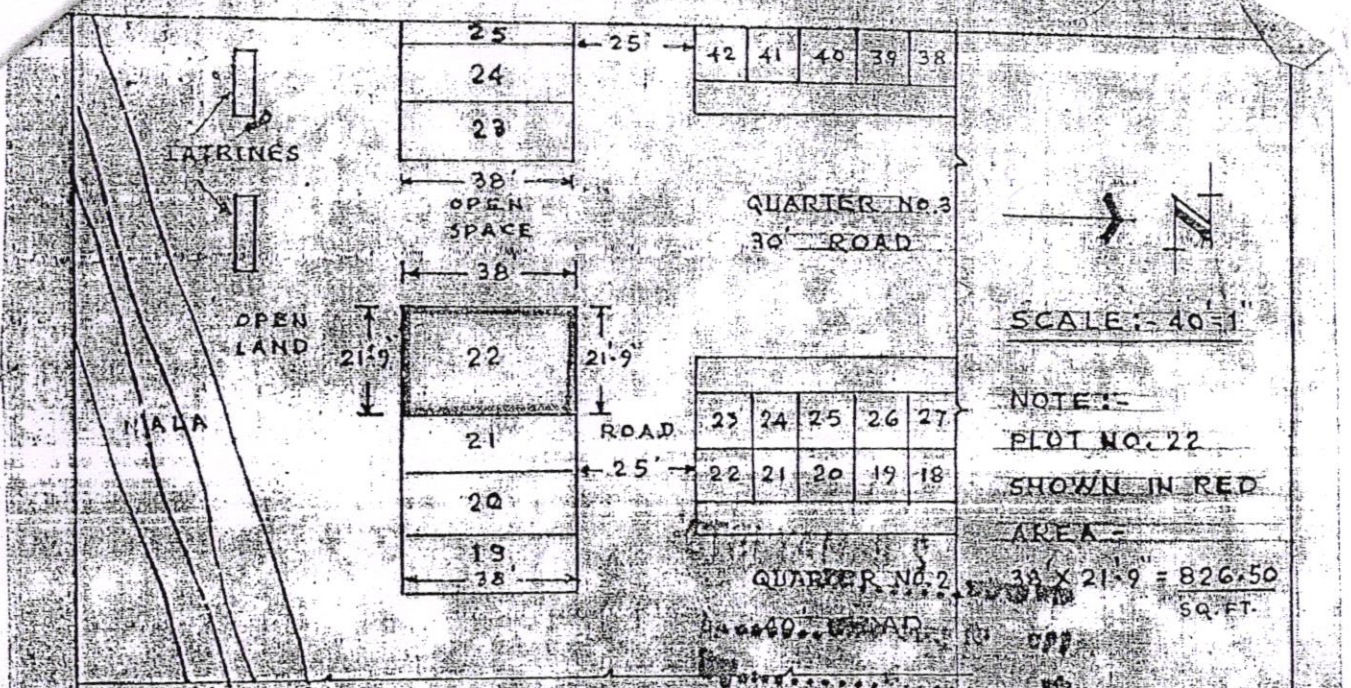

SITE PLAN OF PLOT NO. 22 AT MANIK BAGH (ANNEXE) INDORE.

SALLER -
SHRI RAMESHCHANDRA S/o. PIYARELAL R/o. MANIKBAG INDORE.

PURCHESER -
SHRI VALLABH S/o. GARIBA PARDESI. R/o. MANIKBAG INDORE.

विक्रेता

रमेशचन्द्र

TRACE ON DRG/NO. 344/18-9-1971

13-3-1978
M. L. H.
L. No 16

दस्तावेज क्रमांक 1अ/2446 दिनांक 28/05/1979